भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या – 632

उत्तर देने की तारीख 28.11.2024

जनजातीय छात्रों के लिए कौशल प्रशिक्षण

†632. श्री जनार्दन मिश्रा:

क्या **जनजातीय कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनजातीय छात्रों के कौशल को बढ़ाने के लिए उन्हें बुनियादी और उन्नत स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करने का क्या महत्व है; और

(ख) बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या कितनी है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) और (ख): जनजातीय छात्रों को बुनियादी और उन्नत स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना उन्हें सशक्त बनाने और उनके समुदायों में सुधार लाने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। बुनियादी प्रशिक्षण छात्रों को आधारभूत ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से समर्थ करता है, जबकि उन्नत प्रशिक्षण विशेष करियर और उद्यमिता के द्वार खोलता है। यह दोहरा दृष्टिकोण शैक्षिक अंतरों को पाटता है, आर्थिक गतिशीलता को बढ़ावा देता है और सामाजिक एकीकरण को बढ़ाता है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्था, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस), जिसे एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की स्थापना और प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया है, ने मार्च 2024 में 200 ईएमआरएस में 400 कौशल प्रयोगशालाएँ (प्रति विद्यालय 2 कौशल प्रयोगशालाएँ) स्थापित करने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इसके अलावा, एनईएसटीएस ने सीबीएसई और विश्व बैंक के सहयोग से इन ईएमआरएस में पढ़ने वाले जनजातीय छात्रों के कौशल प्रशिक्षण की सुविधा के लिए ईएमआरएस में 14 और कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। एनईएसटीएस ने नीति आयोग के साथ मिलकर 16 ईएमआरएस में अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) प्रयोगशालाएँ भी स्थापित की हैं। इन विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों को कौशल विकास में अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया है।

*****